जल संचय जन भागीदारी पहल

स्रोत: पी.आई.बी

हाल ही में प्रधानमंत्री ने **सूरत गुजरात से 'जल संचय, जन भागीदारी'** पहल की शुरुआत की।

- जल संरक्षण पर केंद्रित इस पहल का लक्ष्य गुजरात में लगभग **24,800 वर्षाजल संचयन संरचनाओं** का निर्माण कराना है।
- यह पहल "**समग्र समाज और समग्र सरकार**" दृष्टिकोण पर आधारित है, जो **जल प्रबंधन** में सामुदायिक भागीदारी एवं सरकारी समन्वय के महत्त्व पर प्रकाश डालती है।
- **भारत में जल संकट:** विश्व की **18% जनसंख्या** भारत में रहती है, लेकिन यहाँ **जल संसाधन की उपलब्धता केवल 4%** ही है।
  - **700 में से 256 ज़िलों में** भूजल का स्तर '**गंभीर**' **या** '**अत्यधिक दोहन**' वाला बताया गया है।
  - ग्रामीण महिलाओं को प्रायः जल स्रोत तक पहुँचने के लिये **2.5 किलोमीटर से भी अधिक पैदल** चलना पड़ता है।
  - **163 मिलियन** भारतीयों को **सुरक्षित पेयजल** उपलब्ध नहीं है। **21%** संक्रामक रोग असुरक्षित जल से ही संबद्ध होते हैं।
- **अन्य जल संरक्षण पहल:**
  - **जल जीवन मिशन (JJM):** JJM के तहत **पाइप जल** कनेक्शन को **3 करोड़ से बढ़ाकर 15 करोड़ से** अधिक घरों तक पहुँचाया गया, जिससे देश की 75% से अधिक ग्रामीण जनसंख्या को लाभ मिला।
  - **अमृत सरोवर निर्माण: 60,000 से अधिक** अमृत सरोवरों **(जल निकायों)** का निर्माण किया गया है, जिससे जल भंडारण और प्रबंधन में वृद्धि हुई है।
  - **कैच द रेन अभियान**: यह राज्यों और अन्य हितधारकों को वर्षा जल संचयन संरचनाएँ (RWHS) बनाने के लिये प्रोत्साहित करता है।

और पढ़ें: जल प्रबंधन: अभाव से स्थायित्व तक

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/jal-sanchay-jan-bhagidari-initiative